महत्वपूर्ण एवं खास

कलेक्टर न्यायालय में नियत पेशी अब होगी 23 एवं 29 अगस्त को

रायगढ़। न्यायालय कलेक्टर रायगढ़ द्वारा समस्त पक्षकारगण/अधिवक्ता गण को सूचित किया गया है कि जिले में समस्त अधिकारी/कर्मचारी गण के हड़ताल पर रहने के कारण रायगढ़ न्यायालय में 25 जुलाई की नियत समस्त प्रकरणों (आदेश हेतु नियत प्रकरणों को छोड़कर) की सुनवाई आगामी पेशी 23 अगस्त 2022 को तथा 26 जुलाई की नियत पेशी 29 अगस्त 2022 को नियत की गई है।

पति की प्रताड़ना से फांसी लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या, पति पर उत्प्रेरण का अपराध दर्ज

रायगढ़। थाना लैलूंगा के मर्ग क्रमांक 04/2022 धारा 174 जा.फौ. की मृतिका कुमारी भुईहर पति राजकुमार भुईहर उम्र 32 साल साकिन लमडांड के मृत्यु की जांच पर उसके पति पर आत्महत्या के लिये उत्प्रेरित करने का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मर्ग जांच दौरान मृतिका के मायके पक्ष के लोगों एवं उसके घर आसपास रहने वालों से पूछताछ कर बयान लिया। मृतिका का भाई बताया कि कुमारी भुईहर का शादी करीब 15 साल पहले ग्राम लमडांड के राजकुमार भुईहर के साथ सामाजिक रीति के साथ हुआ है जिसके 04 बच्चे हैं। कुमारी भुईहर का पति राजकुमार हमेशा लडाई झगडा करता था। इस कारण कई बार लमडांड में आकर मिटिंग भी किए थे। दिनांक 10.01.2011 के रात बहन का लडका परखित फोन करके बताया कि मां (कुमारी भुईहर) घर के परछी के म्यार में प्लास्टिक रस्सी से फांसी लगाकर लटकी हुई है, मर गई है। तब अचंभित हो गये, दूसरे दिन सबेरे जाकर देखे। अन्य गवाह भी बताये कि राजकुमार भुईहर उसकी पत्नी कुमारी को झगड़ा मारपीट करता था जिससे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मर्ग जांच से आरोपी राजकुमार भुईहर पर धारा 306 IPC के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट में शामिल एक महिला दलाल गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। तेलीबांधा पुलिस के टीम ने होटल हयात में दबिश देकर देह व्यापार में शामिल 11 लड़कियों के साथ दो दलाल विप्लव चैरडिया एवं पंकज गोयल को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 14 नग मोबाईल फोन एवं नकदी 8 हजार रुपये जब्त किया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा इस व्यवसाय में शामिल एक महिला दलाल के संबंध में जानकारी दी गई तथा महिला दलाल को रायपुर के एक होटल में रूकना बताया गया। जिस पर पुलिस टीम के सदस्यों ने महिला दलाल को गिरफ्तार किया है। महिला दलाल से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मुख्यत: नेपाल की निवासी है तथा वर्तमान में बसंतकुंज दिल्ली में निवासरत है। वह देह व्यापार के व्यवसाय में काफी दिनों से संलिप्त है तथा उसका रायपुर सहित अन्य राज्यों के कई पुरूष दलालों से संपर्क है तथा मांग के आधार पर वह महिलायें उपलब्ध कराती है। उक्त प्रकरण में गिरफ्तार 2 महिलायें इसी महिला दलाल द्वारा रायपुर भेजी गई थी। महिला दलाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 नग आई फोन एवं नगदी रकम जब्त किया है।

मुख्यमंत्री ने सदन में पेश किए दस्तावेज

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज छत्तीसगढ़ राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत वर्ष 2021- 22 के बजट की अंतिम तिमाही के आय तथा व्यय प्रवृत्तियों की समीक्षा सदन के पटल पर रखी। मुख्यमंत्री बघेल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 के तहत 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का छत्तीसगढ़ में 74 वें संविधान संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन छत्तीसगढ़ शासन वर्ष 2022 का प्रतिवेदन क्रमांक 2 भी सदन के पटल पर रखा।

टीबी मरीजों की खोज के लिए तीन महीने तक चला घर-घर सर्वे : 5000 से अधिक संभावितों में मिले 144 टीबी के मरीज

टीबी के इलाज में जिला प्रदेश में बेहतर, टीबी इंडेक्स रैंकिंग में मिले 72.55% अंक

रायगढ़। जिले में टीबी के प्रति किये जा रहे प्रयासों से जिले को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। इस गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों की खोज, संवेदनशील इलाकों में जांच, सर्वे के दौरान संभावित मरीजों की पहचान, उनका समय पर इलाज सहित निक्षय पोर्टल पर समय से हुई एंट्री, आदि प्रमुख कारणों के चलते टीबी इंडेक्स रैंकिंग में 72.55 प्रतिशत अंक हासिल करते हुए रायगढ़ जिला प्रदेश में बेहतर रहा है।

जिले में क्षय रोग से मुक्ति के लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाया जाता रहा है। इसके तहत यहाँ के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में क्षय रोगियों (टीबी रोगियों) की पहचान की गई। 25 मई से 25 जुलाई तक घर-घर सर्वे में कुल 5,008 टीबी के संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग हुई। इनमें जांच उपरांत शासकीय और निजी अस्पतालों को मिलाकर कुल 144 टीबी के मरीज मिले हैं, जिनका पंजीकरण कर इलाज शुरू किया जा चुका है।

वहीँ हाल में जारी हुयी टीबी इंडेक्स रैंकिंग में बस्तर प्रथम स्थान पर रहा है जबकि रायगढ़ जिले ने टॉप टेन में अपनी जगह बनाई है। विदित हो कि इस रैंकिंग में रायपुर को 63 और बिलासपुर को 62 प्रतिशत अंक मिले हैं।

इस सम्बंध में जानकारी देते हुए जिला सीएमएचओ एसएन केसरी ने बताया: "जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी के इलाज के जांच की सुविधा और दवा उपलब्ध है। वर्तमान में जिले में कुल 37 एक्टिव डीएमसी (डेजिगनेटेड माइक्रोस्कोपी सेंटर) टीबी जांच के लिये उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त शासकीय अस्पताल और सभी सीएचसी में एक्सरे की सुविधा है। डॉट सेंटर्स या डॉट प्रोवाइडर्स के माध्यम से भी टीबी से पीड़ित मरीजों को घर के पास या घर पर ही दवाई उपलब्ध कराई जा रही है।"

आगे उन्होंने बताया: " भारत से टीबी को 2025 तक पूर्ण रुप से समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। परंतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य को 2023 तक टीबी मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत रायगढ़ जिले में युद्ध स्तर पर टीबी नियंत्रण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।"

जिला क्षय नियंत्रण नोडल अधिकारी डॉ. जया कुमारी चौधरी ने बताया: "टीबी के बैक्टीरिया सांस द्वारा शरीर में प्रवेश करते हैं। किसी रोगी के खांसने, बात करने, छींकने, थूकते समय बलगम या थूक की छोटी-छोटी बूंदें हवा में फैलने से कोई भी व्यक्ति संक्रमित हो सकता है। टीबी का बैक्टीरिया कई घंटों तक हवा में रह सकता है। जो स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में सांस के माध्यम से प्रवेश करके रोग पैदा कर सकता है। एक मरीज 15-20 स्वस्थ लोगों को संक्रमित कर सकता है। टीबी के प्रमुख लक्षणों में दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी का होना, खांसी के साथ बलगम आना, कभी-कभी थूक में खून आना, वजन का कम होना, भूख में कमी होना, सांस लेते हुए सीने में दर्द की शिकायत, शाम या रात के समय बुखार आना जैसे लक्षण हो सकते हैं। इन लक्षणों के होने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अवश्य रूप से जांच कराएं।"

24 घन्टे में छत्तीसगढ़ में मिले 543 नए कोरोना संक्रमित मरीज

❐ दुर्ग जिला बना कोरोना का हॉटस्पॉट

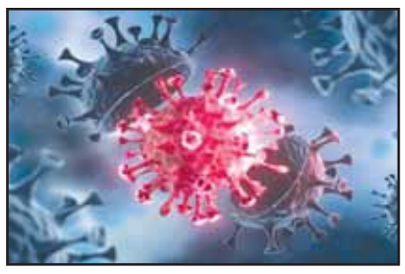

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना पॉजिटिविटी दर पहुंची 5.20 प्रतिशत हो गई है. बीते 24 घंटे में पूरे राज्य में 543 नए संक्रमित मरीज मिले हैं. इसमें बलौदाबाजार के नवोदय स्कूल में एक साथ संक्रमित मिले 4 बच्चे भी शामिल हैं।

बच्चो के संक्रमित मिलने के बाद स्कूल के हॉस्टल को सील कर दिया गया है. बच्चों का इलाज जारी है. बीते सोमवार को कोरोना संक्रमण के कारण बालोद जिले में एक व्यक्ति की मौत हो गई. राज्य सरकार द्वारा जारी कोरोना बुलेटिन के मुताबिक बीते 24 घंटे में राज्य के दुर्ग जिले में सबसे ज्यादा 105 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है. इसके अलावा रायपुर में 82, कोरबा में 49, राजनांदगांव में 40, जशपुर में 33 और महासमुंद में 26 मरीज मिले है. वर्तमान में राज्य में सक्रिय मरीजो की संख्या 3890 है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी एक आंकड़े के मुताबिक कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच प्रिकॉशन डोज लगवाने वालों की संख्या भी बढ़ी है. पिछले दस दिनों (15 से 24 जुलाई) में कोरोना से बचाव के लिए 16 लाख 25 हजार 792 लोगों ने प्रिकॉशन डोज लगवाया है. राज्य के 24 लाख 95 हजार 168 नागरिकों ने अब तक (24 जुलाई तक) प्रिकॉशन डोज लगवा लिया है. कोविड वैक्सीनेशन अमृत महोत्सव के अंतर्गत 15 जुलाई से प्रदेश भर में 18 वर्ष से 59 वर्ष के लोगों को भी सभी सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में ठगी के मामलों पर सदन में भारी हंगामा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में आज ध्यानाकर्षण के तहत उठाए गए ठगी के मामले में बढ़ोत्तरी के विषय पर सदन में भारी हंगामा हुआ। हालांकि भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने ध्यानाकर्षण पर उनके वक्तव्य के दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया की टोका टाकी से नाराज होकर अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव वापस ले लिया लेकिन इसके पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। सत्ता पक्ष की ओर से आपत्ति की गई कि अजय चंद्राकर बहुत लंबा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ रहे हैं। इस पर अजय चंद्राकर का कहना था कि यदि मामले अधिक हैं तो वह लंबा होगा और ध्यानाकर्षण छोटा हो तो जवाब भी छोटा आना चाहिए। सवाल छोटा होने के लिए कहा जाता है लेकिन मंत्री जो जवाब देते हैं उसके लिए क्या व्यवस्था है। विपक्ष ने गृहमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर भी आपत्ति व्यक्त की। विपक्ष के सदस्यों का कहना था कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर गृह मंत्री सदन में उपस्थित होकर जवाब देना चाहिए। दूसरे मंत्री कैसे बीच में बोल रहे हैं। भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने राज्य में ठगी के मामलों में निरंतर वृद्धि होने का सवाल उठाते हुए ध्यान आकर्षित किया कि शिक्षा विभाग में नौकरी के नाम पर ठगी हो रही है, साइबर ठगी हो रही है। उन्होंने ठगी के ढेर सारे मामलों का जिक्र किया तो नगरीय प्रशासन मंत्री ने इसका विरोध किया और मुख्यमंत्री ने भी आपत्ति की तो इस पर पक्ष विपक्ष के बीच भारी नोकझोंक हुई। सदन में हंगामा बढऩे पर अध्यक्ष ने 5 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। बाद में भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने कहा कि सरकार के ज्ञान में सारी स्थिति ला दी है और ध्यानाकर्षण वापस लेता हूं लेकिन इसके बाद में अजय चंद्राकर ने फिर व्यवस्था का सवाल उठाया तो नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डेहरिया ने प्रतिवाद करते हुए कहा कि जब ध्यानाकर्षण वापस ले चुके हैं तो बाद में बोलने का प्रावधान नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि आप का आशय यह है कि उत्तर संक्षिप्त हो। आप 29 घटनाओं का जिक्र कर रहे हैं तो उत्तर विस्तृत आएगा। प्रश्न संक्षिप्त हो तो उत्तर भी संक्षिप्त होंगे। अध्यक्ष. डॉ चरणदास महंत ने कहा कि सदन का समय कीमती है। इस को ध्यान में रखते हुए ऐसा प्रश्न करें जिसका उत्तर दिया जा सके। दोनों पक्षों को संक्षिप्त सवाल जवाब के लिए आसंदी ने निर्देशित किया।

फिंगर प्रिंट स्कैन नहीं होने से परेशान थीं 83 साल की बुजुर्ग, कलेक्टर बोले आप निश्चित होकर घर जाएं, 24 घंटे में दूर हो जाएगी दिक्कत

❐ स्वरोजगार की चाह लेकर जनदर्शन पहुंच रहे हैं आवेदक

दुर्ग (आरएनएस)। भिलाई की 83 वर्षीय बदरूनिशा अंत्योदय परिवार के लिए शासन द्वारा दी जाने वाली खाद्यान्न सहायता योजना का लाभ ले रही थीं। वृद्धावस्था की वजह से उनकी उंगलियां घिस गईं। दुकान में थम्ब इम्प्रेशन देने गई तो दुकानदार ने कहा यह तो मैच नहीं हो रहा है। बदरूनिशा परेशान हो गईं, फिर उनको मोहल्ले में किसी ने कलेक्टर जनदर्शन की जानकारी दी और बुजुर्ग को वहां अपना आवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा। बदरूनिशा बड़ी आशा के साथ धीमी चाल से आज कलेक्ट्रेट के सभागार कक्ष पहुंची। जनदर्शन में बुजुर्ग महिला को धीमे-धीमे आता देखकर कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने अमले से उन्हें सहारा देकर लाने और बिठाने के निर्देश दिए। फिर उनसे समस्या पूछी। कलेक्टर ने समस्या जानते ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि इनकी समस्या 24 घंटे के भीतर ठीक की जाए और इसकी सूचना दें। कलेक्टर ने बुजुर्ग महिला को कहा, आप आश्वस्त रहें, आपको अब इसके लिए किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। विभागीय अमला आपकी सारी समस्या दूर करेगा और आपको भविष्य में राशन लेने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। कलेक्टर ने जनदर्शन के दौरान निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस तरह के अन्य मामले भी बुजुर्गों के साथ आ सकते हैं ऐसे मामलों में स्थानीय स्तर पर ही लोगों की मदद हो जाए, इसके लिए मैकेनिज्म तैयार करें। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड से जुड़ी हुई समस्याएं सबसे अहम समस्याएं हैं क्योंकि यह फूड सिक्योरिटी से संबंधित मसला है और इस पर अविलंब कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि नियमित रूप से वार्ड स्तर पर मॉनिटरिंग होती रहे कि लोगों को राशन मिलने में किसी तरह की दिक्कत ना हो। जैसे ही इस तरह के मामले सामने आए जिसमें तकनीकी दिक्कतों की वजह से समस्या हो रही है उनमें तुरंत ही पहल कर समस्या दूर करें। कलेक्टर ने कहा कि हमारा सबसे पहला फोकस यह होना चाहिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं प्राप्त करने के लिए बुजुर्गों को किसी तरह की दिक्कत न हो। हम नगरीय निकायों में बुजुर्गों की सुविधाओं के लिए यदि नवाचार प्रारंभ करेंगे तो उन्हें काफी राहत मिलेगी।

कलेक्टर ने कहा कि आधार कार्ड संबंधित दिक्कतों की वजह से कई बार बुजुर्गों को शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने में दिक्कत होती है। इसके साथ ही कई बार यह भी देखा गया है कि डीबीटी योजनाओं का लाभ बैंक खाता मैच नहीं हो पाने की वजह से नहीं मिल पाता। ऐसी दिक्कतों को दूर करने के लिए समय-समय पर कैंप लगाते रहे ताकि पेंशन और राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं में किसी तरह की दिक्कत लोगों के सामने ना आए।

स्वरोजगार के उद्देश्य से भी जनदर्शन में पहुंच रहे हैं आवेदन। इसी कड़ी में शास्त्री चौक वार्ड 41 से एक दिव्यांग अपने आवेदन के साथ अपना दिव्यता प्रमाण पत्र लेकर जनदर्शन में पहुंचा था जिसमें उसने रविशंकर स्टेडियम मानस भवन में उपलब्ध रिक्त दुकानों के आवंटन के संबंध में अपना आवेदन दिया था ताकि वहां दुकान मिलने पर वह अपना स्वरोजगार शुरू कर सके। बेरोजगार दिव्यांग की आवेदन पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवेदन प्रेषित किया। इसके अलावा जनदर्शन में राजस्व संबंधी प्रकरण, स्वास्थ्य संबंधी प्रकरण और बिजली संबंधी प्रकरण भी आ रहे हैं, जिनका प्रशासन द्वारा सकारात्मक कदम उठाकर निराकरण करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है।

न्यायालय ले जाते समय वाहन से कूदकर भागा आरोपी, आरक्षकों ने पकड़ा

रायगढ़। थाना सारंगढ़ के गांजा तस्करी संबंधी अपराध क्रमाक 346/2022 धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट प्रकरण के आरोपी अर्जुन भारद्वाज पिता ताराचंद भारद्वाज उम्र 21 साल साकिन बरेकेल खुर्द थाना हसौद जिला जाजंगीर-चांपा (छ.ग.) को दिनांक 24/07/2022 को थाना सारंगढ़ के आरक्षक वीरेन्द्र महंत और महेन्द सिदार शासकीय सूमो वाहन में न्यायिक रिमाण्ड पर पेश करने जिला न्यायालय रायगढ़ लेकर आ रहे थे कि शाम करीब 04.00 बजे ग्राम कोडातराई के पास रोड़ में जाम होने पर वाहन की गति धीमे होने से आरोपी अर्जुन भारद्वाज अचानक टाटा सुमो वाहन के गेट को खोलकर दौड़ कर भागने लगा जिसे दोनों आरक्षक और वाहन का चालक आसपास ढुंढे और ग्राम केडातराई में पकड़े। घटना के संबंध में आरक्षक वीरेन्द्र महंत थाना कोतवाली में लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट और धारा 224 IPC के अपराध में गिरफ्तार कर रिमांड पर पेश किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल उइके ने सौजन्य भेंट कर दी शुभकामनाएं

❐ प्रदेश के विभिन्न विषयों और समस्याओं को लेकर की राष्ट्रपति से चर्चा

रायपुर (आरएनएस)। देश की नव निर्वाचित 15वीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण उपरांत आज राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने उनसे राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में मुलाकात की और देश की प्रथम जनजातीय महिला राष्ट्रपति बनने पर शुभकामनाएं दी और सफलतम कार्यकाल की कामना की। राज्यपाल सुश्री उइके ने राष्ट्रपति मुर्मू से देश व प्रदेश के जनजातियों की विभिन्न समस्याओं एवं अन्य समसामयिक विषयों के निराकरण के उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

राज्यपाल ने पेसा कानून के क्रियान्वयन के संबंध में राष्ट्रपति को अवगत कराते हुए कहा कि कई राज्यों में पेसा कानून के नियम नहीं बनाए गये हैं, जिसकी वजह से इस नियम का लाभ जनजातियों को नहीं मिल रहा हैं। उन्होंने पेसा कानून के अंतर्गत नियमों को बनाने एवं उन्हें लागू कराने का राष्ट्रपति से आग्रह किया। साथ ही पेसा कानून के समान नगरीय क्षेत्रों के लिए मेसा कानून का विधेयक जो कि संसद में लंबित है, उसे शीघ्र पारित कराने का भी आग्रह किया। मेसा कानून लागू होने से नगरीय क्षेत्रों में आरक्षण संबंधी नियम विधिवत् लागू हो पाएंगे, जिससे जनजातीय समुदाय को आरक्षण का वास्तविक लाभ मिल पाएगा।

प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण का लोकपर्व - हरेली

❐ छत्तीसगढ़ में जैविक खेती और आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है, हरेली। सावन मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह त्यौहार वास्तव में प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण का लोकपर्व है। हरेली के दिन किसान अच्छी फसल की कामना के साथ धरती माता का सभी प्राणियों के भरण-पोषण के लिए आभार व्यक्त करते हैं। सभी लोग बारिश के आगमन के साथ चारो ओर बिखरी हरियाली और नई फसल का उत्साह से स्वागत करते हैं।

हरेली पर्व को छोटे से बड़े तक सभी उत्साह और उमंग से मनाते हैं। गांवों में हरेली के दिन नागर, गैती, कुदाली, फावड़ा समेत खेती-किसानी से जुड़े सभी औजारों, खेतों और गोधन की पूजा की जाती है। सभी घरों में चीला, गुलगुल भजिया का प्रसाद बनाया जाता है। पूजा-अर्चना के बाद गांव के चौक-चौराहों में लोगों को जुटना शुरू हो जाता है। यहां गेड़ी दौड़, नारियल फेक, मटकी फोड़, रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताएं देर तक चलती रहती हैं। लोग पारंपरिक तरीके से गेड़ी चढक़र खुशियां मनाते हैं। माना जाता है कि बरसात के दिनों में पानी और कीचड़ से बचने के लिए गेड़ी चढऩे का प्रचलन रहा है, जो समय के साथ परम्परा में परिवर्तित हो गया। इस अवसर पर किया जाने वाला गेड़ी लोक नृत्य भी छत्तीसगढ़ की पुरातन संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। हरेली में लोहारों द्वारा घर के मुख्य दरवाजे पर कील ठोककर और नीम की पत्तियां लगाने का रिवाज है। मान्यता है कि इससे घर-परिवार अनिष्ट से बचे रहते हैं।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर माटी से जुड़ी अपनी गौरवशाली संस्कृति और परम्परा को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की पहल की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री निवास सहित पूरे राज्य में लोकपर्वों के धूम-धाम से सार्वजनिक आयोजन कर इसकी शुरूआत की है। इससे नई पीढ़ी के युवा भी अपनी पुरातन परम्पराओं से जुड़ने लगे हैं। सरकार ने हरेली त्यौहार के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस साल से प्रदेश के स्कूलों में हरेली तिहार को विशेष रूप से मनाने की शुरूआत की जा रही है। इससे बच्चे न सिर्फ अपनी कृषि संस्कृति को समझेंगे, उसका सक्रिय हिस्सा बनेंगे बल्कि अपनी संस्कृति के मूल भाव को आत्मसात भी कर सकेंगे। साथ ही स्कूलों में गेड़ी दौड़, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी जैसे आयोजनों से बच्चों में अपनी संस्कृति और प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित होगा। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक लोक मूल्यों को सहेजते हुए गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में पारंपरिक संसाधनों के उपयोग से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। इसके चलते राज्य सरकार ने दो साल पहले सन् 2020 में हरेली के दिन 'गो-धन न्याय योजना' शुरू की थी। शुरूआत में किसी ने कल्पना नहीं की थी, कि गोबर खरीदी की यह योजना गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगी। आज यह ग्रामीण अंचल की बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480